



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 225]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 12, 2003/भाद्र 21, 1925

No. 225]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 12, 2003/BHADRA 21, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 2003

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित मेलामाइन के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच का आरंभ।

सं. 14/16/2003-डीजीएडी.— मै. गुजरात फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लि० ने सीमा शुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम 1995 और सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित मेलामाइन के पाटन का आरोप लगाया गया है और पाटनरोधी जांच आरंभ करने तथा पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

1. विचाराधीन उत्पाद

मौजूदा याचिका में विचाराधीन उत्पाद चीन के मूल का अथवा वहां से निर्यातित मेलामाइन है जो कि एक स्वादरहित, गंधरहित, नान-टॉक्सिक रासायनिक पाउडर है। सौंदर्य तथा उपयोगिता के असंख्य उत्पाद बनाने के लिए मेलामाइन की प्रतिक्रिया फोरमल्डेहाइड से कराई जाती है और रेजिन्स या मोल्डिंग पाउडर बनाया जाता है।

मेलामाइन को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार उत्पाद का संपूर्ण विवरण 29336100 है।

2. घरेलू उद्योग की स्थिति

याचिकाकर्ता देश में उत्पाद के एकमात्र उत्पादक हैं और इसलिए कुल भारतीय उत्पादन के लिए उत्तरदायी हैं।

3. शामिल देश/क्षेत्र

वर्तमान जांच में शामिल देश/क्षेत्र चीन जन.गण. है (जिसे इसके बाद संबद्ध देश/क्षेत्र कहा गया है)।

4. समान वस्तुएं- याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पादित वस्तु चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित वस्तु के समान वस्तुएं हैं। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु को नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देश/क्षेत्र से आयातित वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है।

5. पाटन और पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य:- याचिकाकर्ता ने चीन जन.गण. के मामले में सामान्य मूल्य का परिकलन किया है।

निर्यात कीमत:- याचिकाकर्ताओं ने आयात संबंधी आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत का दावा किया है।

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से काफी अधिक है।

इस बात का पर्याप्त साक्ष्य है कि चीन जन.गण. में विचाराधीन उत्पाद का सामान्य मूल्य उस कीमत से काफी अधिक है जिस कीमत पर इसका भारत को निर्यात किया गया है जिससे प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि चीन जन.गण. के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

6. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक संकेतक जैसे कि उत्पादन, बिक्री, लाभ/हानि इत्यादि सामूहिक एवं संचयी रूप से संकेत देते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है। इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

7. पाटनरोधी जांच की शुरुआत

उपरोक्त पैराग्राफ को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देशों/क्षेत्रों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जांच आरंभ करते हैं।

8. जांच की अवधि

वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 अप्रैल 2002 से 30 जून 2003 (15 महीने) तक की है।

9. सूचना प्रस्तुत करना

संबद्ध देशों के निर्यातकों और भारत के आयातकों जो इस जांच के संबंध में ज्ञात हैं, को निर्धारित विधि और पद्धति से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने के लिए अलग से संबोधित किया जा रहा है और उन्हें यह भी कहा जा रहा है कि वे अपने विचारों से निर्दिष्ट प्राधिकारी, वाणिज्य मंत्रालय पाटनरोधी निदेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली 110011 को अवगत कराएं। अन्य कोई हितबद्ध पक्षकार जांच से संबंधित अपने निवेदन निम्नानुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्धारित विधि और पद्धति में कर सकता है।

10. समय सीमा

वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना उपर्युक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को लिखित में इस प्रकार भेजी जानी चाहिए कि वह इस अधिसूचना की प्रकाशन की तारीख से चालीस दिन के भीतर प्राप्त हो जाए। तथापि ज्ञात निर्यातक और आयातक जिन्हें अलग से लिखा जा रहा है के लिए उन्हें अलग से संबोधित पत्र की तारीख से चालीस दिन के भीतर सूचना प्रस्तुत करना आवश्यक है।

11. चूंकि पाटनरोधी जांच एक समयबद्ध कार्यवाही है, अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी नियमों के अनुसार दी गई सीमा के भीतर उत्तर प्राप्त न होने की स्थिति में अथवा किसी भी तरह से सूचना के अपूर्ण होने की स्थिति में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

12. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतर की सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

13. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा महत्वपूर्ण ढंग से जांच में बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

एल. बी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 10th September, 2003

Subject : Initiation of anti-dumping investigations concerning imports of Melamine originating in or exported from China PR.

No. 14/16/2003-DGAD.— M/s Gujarat State Fertilizers & Chemicals Ltd., has filed a petition before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 alleging dumping of Melamine originating in or exported from China PR and has requested for initiation of anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties.

1. Product Under Consideration:

Product under consideration in the present petition is Melamine, a tasteless, odourless, non-toxic pure chemical powder, originating in or exported from China. Melamine is reacted with formaldehyde and made into resins or moulding powder for making innumerable products of beauty and utility.

Melamine is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act. Complete description of the product as per Customs Tariff Act is 29336100.

2. Domestic Industry Standing:

The petitioner is the sole producer of the product in the Country and, therefore, accounts for total Indian Production.

3. Country(ies)/ Territory Involved:

The countries/territory involved in the present investigations China PR (referred to as subject countries/territory hereinafter).

4. Like Goods:

The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from China PR. Goods produced by the petitioner are being treated as Like Articles to the goods imported from the subject countries/territory within the meaning of the Rules.

5. Dumping and Dumping Margin:

Normal Value: The petitioner has constructed the normal value in case of China PR.

Export price: The petitioner has claimed export price based on the import figures.

Considering the normal value and export price the dumping margins are significantly higher than the de-minimis limit.

There is sufficient evidence that the normal values of the product under consideration in the China PR are significantly higher than the prices at which it has been exported to India, indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by the exporters from China PR.

6. Injury and Causal Link:

The various economic indicators relating to domestic industry such as production, sales, profit/loss etc. collectively and cumulatively, indicates that the domestic industry has suffered injury. There is sufficient prima facie evidence that the imports of the product under consideration have caused material injury to the domestic industry.

7. Initiation of Anti-Dumping Investigation:

In view of the foregoing paragraph, the Designated Authority initiates anti-dumping investigations to determine the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries/territory.

8. Period of Investigation:

The period of investigation for the purpose of the present investigations is 1st April, 2002 to 30th June, 2003 (15 months).

9. Submission of Information: The exporters in the subject countries/territory and the importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit

26.6 GF/03-2

relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Ministry of Commerce, Directorate of Anti- Dumping, Udyog Bhavan, New-Delhi –110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

10. Time Limit: Any information relating to the present investigations should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.

11. Anti-dumping investigations being a time bound exercise, the Designated Authority may record its findings on the basis of facts available on record in accordance with the Rules supra, if no response is received within the time stipulated or the information is incomplete in any respect.

12. Inspection of Public File: In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

13. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority